एकादशदिवसीय भाषाकौशल विकास कार्यशाला

दिनांक: 20.07.2026 से 30.07.2026

श्री दीवान-कृष्ण-किशोर सनातन धर्म आदर्श संस्कृत कॉलेज एवं शोध संस्थान, अंबाला छावनी में आयोजित एकादश दिवसीय भाषा कौशल विकास कार्यशाला का आयोजन अत्यंत गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में संस्कृत भाषा के व्यावहारिक प्रयोग, संवाद-कौशल तथा आत्मविश्वास का विकास करना था।

उद्घाटन सत्र में महाविद्यालय के प्राचार्य जी ने शुभकामना संदेश देते हुए कार्यशाला सभी विद्यार्थियों के लिए अत्यन्त उपयोगी सिद्ध होगी ऐसी आशा के साथ प्रशिक्षक श्री अंकित कुमार का माल्यार्पण व डॉ. नितिन कुमार प्राध्यापक (वेद विभाग) ने तिलक कर स्वागत किया। वरिष्ठाचार्य डॉ श्यामनाथ झा ज्योतिष विभागाध्यक्ष तथा डॉ राकेश कुमार जैन साहित्य विभागाध्यक्ष भी इस अवसर पर मंच पर उपस्थित रहे। दस दिन के प्रशिक्षण में सरल संस्कृत संभाषण सिखाया गया छात्रों को संस्कृत संभाषण करने योग्य बनाया गया।अंतिम दो दिन में एक लिखित परीक्षा तथा मौखिक

परीक्षा का आयोजन किया गया। सभी विद्यार्थियों ने सोत्साह परीक्षा दी तथा उत्तम प्रदर्शन कर कार्यशाला की सफलता सुनिश्चित कर दी। अंतिम दिन कार्यशाला के समापन समारोह का भव्य आयोजन हुआ जिसकी अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विष्णुदत्त शर्मा ने की। अपने प्रेरणादायी अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने कहा कि भाषा व्यक्ति के व्यक्तित्व, संस्कृति एवं संस्कारों की पहचान होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से दैनिक जीवन में संस्कृत भाषा का अधिकाधिक प्रयोग करने का आह्वान किया।

मुख्य वक्ता डॉ. सुनील कुमार (श्री माता मनसा देवी राजकीय संस्कृत महाविद्यालय, पंचकूला) ने संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार में विभिन्न संस्थाओं, विशेषतः संस्कृत भारती द्वारा किए जा रहे उल्लेखनीय प्रयासों पर प्रकाश डाला तथा युवाओं से संस्कृत के संरक्षण एवं संवर्धन में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। वहीं विशिष्ट अतिथि डॉ. श्यामनाथ झा ने संस्कृत अध्ययन के शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं व्यावसायिक महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यशाला के प्रशिक्षक श्री अंकित कुमार ने प्रतिभागियों को संस्कृत में सहज एवं प्रभावी संवाद का अभ्यास कराया। कार्यशाला संयोजक डॉ. राकेश कुमार जैन ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में पूरे शैक्षणिक सत्र के दौरान संस्कृत के व्यवहारिक प्रयोग की आदत विकसित करना है। सह-संयोजक डॉ. विपिन कुमार ने कार्यशाला का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

समारोह के दौरान सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ छात्र प्रेम पाण्डेय एवं विशाल देवराड़ी

द्वारा मंगलाचरण से हुआ तथा सह-संयोजक डॉ. मनीष भारद्वाज ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण डॉ. मनोज कुमार दुबे, डॉ. नितिन कुमार, डॉ. गगनदीप सिंह, डॉ. वीरेन्द्र प्रकाश, डॉ. रेणू वत्स तथा डॉ. वीरेन्द्र शर्मा सहित अन्य शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। यह कार्यशाला विद्यार्थियों में संस्कृत भाषा के प्रति रुचि, आत्मविश्वास एवं व्यवहारिक दक्षता विकसित करने की दिशा में अत्यंत सफल एवं प्रेरणादायी सिद्ध हुई।

मुख्य आकर्षण (Highlights)

- 11 दिवसीय भाषा कौशल विकास कार्यशाला का सफल समापन।
- संस्कृत भाषा के व्यवहारिक प्रयोग पर विशेष प्रशिक्षण।
- विशेषज्ञ विद्वानों के प्रेरक व्याख्यान।
- सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।
- विद्यार्थियों में संस्कृत संवाद-कौशल एवं आत्मविश्वास का विकास।